वार्षिक प्रतिवेदन – प्रेरणा भारती

Madhupur, Jharkhand

अप्रैल 2022 – मार्च 2023

परिचय – प्रेरणा भारती एक महिला नेतृत्वकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1991 में हुई थी | प्रेरणा भारती का मुख्य उद्देश्य सभी क्षेत्रों की महिलाओं को अपने लिए समाज में अलग स्थान बनाने के लिए प्रेरित करना है ताकि वे अपने अनुभवों और विचारों का बिना किसी हिचकिचाहट के आदान – प्रदान कर सकें | महिलायें एवं किशोरियां अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचान सकें और उनके लिए एक अच्छी रणनीति तय कर सकें ताकि वे अपने और अपने आस-पास की महिलाओं एवं किशोरियों के साथ होने वाले उत्पीडन का विरोध कर सकें और एकजुट होकर आवाज़ उठा सकें |

इस वर्ष संस्था में निम्नांकित प्रमुख कार्य किये गए –

1. **किशोरी नेतृत्व विकास**
2. **निः शुल्क ट्यूशन कक्षाओं, जीवन कौशल शिक्षा एवं लर्निंग इवेंट्स के माध्यम से कोविड महामारी के कारण उत्पन्न हुई शैक्षणिक खाई को भरने के लिए अल्पसंख्यक समुदायों की किशोरियों के लिए शैक्षिक सहायता** –
3. **प्रवासी मजदूर के साथ कार्य**
4. **प्रशिक्षण, बैठक एवं दिवसों का आयोजन**
5. **नेटवर्क तथा समन्वय**

1.किशोरी नेतृत्व विकास – गर्ल्स फर्स्ट फण्ड विगत 3 वर्षो से प्रेरणा भारती के साथ मिलकर किशोरियों के नेतृत्व विकास के माद्यम से बाल विवाह कम करने और देर से

विवाह के लिए प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है | जिसके कारण निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं –

I. किशोरियां अपने घर से लेकर समुदाय तक भेद – भाव से सम्बंधित चर्चाएँ कर रही हैं एवं पितृसत्तातमक सोच के आधार पर बनी हुई जेंडर सम्बंधित धारणाओं को चिन्हित करके विरोध करने में सक्षम हुई हैं | जैसी की बाहरी प्रशिक्षण में भाग लेने की अनुमति मिलना, देर से शादी करने का निर्णय लेना , अपनी पसंद से कपडे पहनना आदि |

II. जिन किशोरियों ने पढाई छोड़ दी थी उनका पुनः विद्यालय में नामांकन करवाया गया एवं निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराया गया जिससे उनकी शैक्षणिक स्तिथि में सुधार आया |

III. ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति को मजबूत करने हेतु जिला स्तरीय प्रशासन तथा अन्य नेटवर्क के सहयोग से प्रयास किया गया है, जिससे ग्राम स्तर की समिति का पुनर्गठन हुआ है एवं समिति में बच्चियों के शिक्षा, जेंडर आधारित हिंसा, पलायन आदि के प्रति जागरूक एवं जवाबदेह होकर पहल किया जा रहा है|

IV. समुदाय के किशोर वर्ग के साथ जेंडर आधारित चर्चा के माध्यम से उन्हें नारीवादी सोच के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया जा रहा है |

इन उप्लाधियों को देखते हुए किशोरी नेतृत्व विकास के कार्य और आगे बढ़ने का निर्णय लिया गया | देवघर जिले के मधुपुर एवं मर्गोमुंडा प्रखंड के दस गावों में 12 से 18 वर्ष एवं 18 से 24 वर्ष के आयुवर्ग की 300 – 350 किशोरियों को शशक्त बनाने का कार्य विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से किया जा रहा है –

- **किशोरी समूह बैठक** – 10 गाँव में चल रहे किशोरी समूह का नियमित रूप से हर माह 2 से 3 बार किशोरी लीडर द्वारा बैठक किया गया जिसके परिणाम स्वरुप किशोरियों के माध्यम से परिवार/समुदाय में व्याप्त पितृसत्तात्मक सोच में प्रभावी परिवर्तन दिखाई दे रहा है एवं किशोरियां एकजुट होकर उन बाधाओं को चुनौती देने में सक्षम हुई हैं जो उनकी इच्छाओं एवं प्रगति को बाधित करती हैं | बैठक में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से किशोरियों एवं महिलाओं से जुड़े मुद्दे जैसे की लिंग आधारित भेदभाव, शिक्षित होने का महत्त्व, अपने शरीर एवं स्वास्थ के प्रति जागरूकता, बाल-विवाह/देर से विवाह, क़ानूनी जागरुकता पर चर्चा कर नियंत्रण करने की रणनीति बनाने का कार्य किया गया जिसका नेतृत्व किशोरियों द्वारा किया गया |

- **समुदाय, विद्यालय एवं हितधारकों के साथ बैठक** – किशोरियों के अभिभावकों एवं समुदाय के प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ चर्चा एवं संवाद का आयोजन किया गया ताकि लोग उनके गाँव की किशोरियों द्वारा किये जा रहे महत्वपूर्ण कार्य के बारे में जान सकें और उनकी नेतृत्व क्षमता को पहचान सकें एवं उसके अनुरूप उनका सहयोग कर सकें | पंचायत एवं ग्रामीण स्तरीय हितधारकों, विद्यालय के शिक्षकों एवं धार्मिक नेताओं के साथ क्षेत्र की समस्याओं को लेकर संवाद किया

गया ताकि वे अपने कार्य के प्रति संवेदनशील बन सकें एवं बाल विवाह , जेंडर आधारित हिंसा एवं भेद भाव , महिला हिंसा, महिला सुरक्षा, बाल मजदूरी आदि जैसे विषयों पर आवश्यक हस्तक्षेप करें |

- **किशोर बैठक** – किशोरों को जेंडर समानता, महिला हिंसा आदि मुद्दों पर इनफार्मेशन एवं सामग्री के आदान – प्रदान के माध्यम से संवेदनशील बनाने के लिए ताकि वे महिलाओं/किशोरियों के सुरक्षा सम्बन्धी मामले को और उनकी मनोस्थिति को समझें तथा किशोरों को इन मुद्दों पर पैरोकारी के कार्य में प्रशिक्षित करने के लिए इस वर्ष से पंचायत स्तर पर पांच किशोर समूह का गठन हुआ जिसमें से चार समूह विद्यालय स्तर पर बनाया गया और एक समूह समुदाय स्तर पर| हर माह इन किशोर समूहों के साथ जेंडर भेदभाव के अंतर्गत घर एवं समाज में होने वाले लड़के और लड़की के बीच में भेदभाव, पढने में मौके में हो रहे भेद भाव आदि, महिला हिंसा और सुरक्षा जैसे मुद्दे पर बैठक किया गया | इन बैठकों के माध्यम से किशोरों में सोचने की क्षमता बढ़ी और उन्होंने मुद्दे से जुड़े सवाल करने शुरू किये|

- **शैक्षणिक गतिविधि** – किशोरी ग्रुप की ड्राप आउट किशोरियों को चिन्हित करके उनसे संपर्क कर विद्यालय में दोबारा नामांकन के लिए प्रेरित किया गया | 3 ड्राप आउट किशोरियों को कक्षा 9 वी में रजिस्ट्रेशन हेतू आर्थिक सहयोग किया गया | अन्य ड्राप आउट किशोरियों से नियमित रूप से संपर्क करके उन्हें शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है | जो ड्राप आउट किशोरियों को पढने में रुचि नहीं है उन्हें हस्तकला एवं सांस्कृतिक समूह से जोड़ कर उनकी क्षमतावर्धन का कार्य किया जा रहा है | वर्तमान में कंप्यूटर का पंचायत और अन्य सभी स्तर पर बढ़ते उपयोग को देखते हुए ग्रुप की किशोरियों के लिए निःशुल्क कंप्यूटर क्लास चलाया जा रहा है जिसमें ग्रुप की किशोरियां बेसिक कंप्यूटर का 3 माह का कोर्स कर रही हैं | चूँकि आने वाले में समय में सभी फॉर्म, सामाजिक सुरक्षा से जुडी योजनाओं के बारे में जानकारी पाने के लिए और उनसे जुड़ने के लिए तकनीकी समझ होना बहुत आवश्यक है इसलिए किशोरियां भी कंप्यूटर सीखने के लिए इच्छुक हैं और साथ ही वे इसे आगे चलकर अपने रोजगार के साधन के रूप में भी उपयोग कर सकती हैं |

- **फुटबॉल टीम** – फुटबॉल टीम द्वारा इस वर्ष उल्लेखनीय उपलब्धियां पाई गयी हैं जो की विस्तारित रूप में नीचे बताई गयी हैं |

  27 अप्रैल 2022 को गर्ल्स फर्स्ट फण्ड किशोरी फुटबॉल टीम के कोच विष्णु टुडू को जिला फुटबॉल संघ के सचिव के रूप में चयनित किया गया | 14 अगस्त 2022 को जिला फुटबॉल संघ , देवघर द्वारा प्रखंड स्तरीय स्टेडियम में आयोजित प्रदर्शनी मैच में प्रेरणा भारती किशोरी फुटबॉल टीम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया | 30 अक्टूबर 2022 को प्रेरणा भारती फुटबॉल टीम की किशोरियां पैसरातांड, बेंगाबाद में जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट खेलने गयी और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया | 24 नवम्बर 2022 को किशोरियों ने रानिडीह, जामतारा फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लिया किन्तु कोई पुरस्कार नही मिला | साथ ही नवम्बर 2022 से मार्गोमुंडा प्रखंड के ताराजोरी गाँव की किशोरियों के ओर से बार – बार मांग आने के कारण वहां की खिलाडी किशोरियों को प्रेरणा भारती फुटबॉल टीम से जोड़ा गया | और फरवरी 2023 में ताराजोरी में एक नए किशोरी फुटबॉल टीम का गठन किया गया | 01 जनवरी 2023 को टीम की किशोरियां अर्जुनडीह, जामतारा

टूर्नामेंट खेलने गयी किन्तु 1st राउंड पेनल्टी में बाहर हो गयी | 6 जनवरी 2023 को प्रेरणा भारती द्वारा 4 टीमों के बीच महिला फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया | जिसमें मुख्य रूप से इन टीमों ने भाग लिया –

1. St. Mary's Girls High School, Deoghar – प्रथम पुरस्कार – 3000 /-
2. प्रेरणा भारती मधुपुर टीम – द्वितीय पुरस्कार – 2000/-
3. प्रेरणा भारती बरमसिया टीम – तृतीय पुरस्कार – 1000/-
4. बिरसा मुंडा क्लब, देवघर – रनर टीम – सान्तवना पुरस्कार |

3 फरवरी 2023 को प्रेरणा भारती फुटबॉल टीम की दो किशोरियां – बबिता हंसदा एवं साबिता सोरेन को जिला स्तर पर रेफरी के रूप में चुना गया है |

इसके अतिरिक्त दोनों टीमों का नियमित रूप से अभ्यास जारी रहा है और साथ ही उनके शारीरिक विकास के लिए नियमित पोषाहार उपलब्ध कराया जाता रहा |

टीम की सभी खिलाडियों एवं कोच को जर्सी और बूट उपलब्ध कराए गए है |

हर माह दोनों टीमों का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रेरणा भारती में आयोजित किया गया जिसमे बाहर के प्रशिक्षक द्वारा उनका अभ्यास करवाया जाता है और जिसके बाद वो विभिन्न स्तर पर प्रतियोगिताओं में खेलती हैं और 3 माह पर दोनों टीम का मैच भी कराया जाता है ताकि उनका विकास और मूल्यांकन हो सके |फुटबॉल के माध्यम से किशोरियों में काफी बदलाव आया है जैसे की किशोरियां अपने विवाह को लेकर परिवार में बातचीत करने का साहस जुटा पाई हैं | स्वयं के विवाह का निर्णय लेने में सक्षम हो पाई हैं|

- **प्रशिक्षण** - किशोरी समूह के साथ तीन ग्रुप बनाये गए –
  - **हस्तकला समूह** – ड्राप आउट किशोरियों का हस्तकला समूह बनाकर उन्हें राखी और दिया बनाने का प्रशिक्षण दिया गया |

जिसके बाद दिवाली के अवसर पर किशोरी समूह द्वारा लोकल बाज़ार में दिया का स्टाल लगाया गया जिनसे उनका मनोबल बढ़ा और उन्हें प्रॉफिट, लॉस, लागत आदि के बारे में जानने का मौका मिला जिससे यह पता चला की इस पेशे में बहुत लागत नहीं है, अगर इसमें लागत चाहिए तो पैकेजिंग क्वालिटी आदि पर और ध्यान देने की जरुरत है | लेकिन अगर किशोरियां हुनर के लिए सीखना चाहें तो सीख सकती है |

- **सांस्कृतिक समूह** – बाल विवाह, देर से विवाह, महिला हिंसा एवं सुरक्षा आदि जैसे सामाजिक मुद्दों पर क्षेत्र में प्रचार – प्रसार द्वारा जागरूकता फैलाने हेतु एवं समाज में किशोरियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए किशोरी समूह को विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक प्रशिक्षण जैसे की मुद्दा आधारित नुक्कड़ नाटक, गीत , नृत्य आदि, दिया गया | इस वर्ष 16 दिवसीय अभियान में किशोरी सांस्कृतिक समूह द्वारा बाल – विवाह और घरेलु हिंसा पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया |
- **ट्रेनर्स समूह** – समूह की किशोरियों को विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण दिया गया ताकि वे ट्रेनर के रूप में आगे जाकर गाँव में किशोरियों एवं समुदाय के बीच जागरूकता फैला सके | निम्न विषयों पर ट्रेनर ग्रुप के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया – फोटोग्राफी , रिपोर्टिंग, केस स्टडी एवं डॉक्यूमेंटेशन, सर्वे पर प्रशिक्षण, मौलिक अधिकार, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ, बाल – विवाह सम्बन्धी क़ानूनी जानकारी|

- **मासिक बैठक** – हर माह के अंत में किशोरी समूह के साथ मासिक बैठक किया गया जिसमे उन्हें स्थानीय मुद्दों पर समझ विकसित की जाति है, मुद्दों पर किये गए कार्य की समीक्षा की जाती है और उसके पश्चात् आगामी माह में चर्चा के लिए मुद्दों को तय करके उनके बारे में जानकारी दी जाती है और कार्य के दौरान आने वाले परेशानियों को सुलझाने के लिए whatsapp समूह में सूचनाओं का आदान – प्रदान किया जाता है |

2. **निः शुल्क ट्यूशन कक्षाओं, जीवन कौशल शिक्षा एवं लर्निंग इवेंट्स के माध्यम से कोविड महामारी के कारण उत्पन्न हुई शैक्षणिक खाई को भरने के लिए अल्पसंख्यक समुदायों की किशोरियों के लिए शैक्षिक सहायता** –

कोविड की स्थिति में लॉकडाउन ने विशेष रूप से आदिवासी, दलित और मुस्लिम समुदायों के बच्चों की शिक्षा को बहुत प्रभावित किया। स्कूलों को बंद कर दिया गया था, शिक्षा की एक ऑनलाइन प्रणाली में बदलाव किया गया था और परीक्षाओं को स्थगित कर बच्चों को उच्च कक्षा में पदोन्नत किया जा रहा था। सामाजिक आर्थिक रूप से गरीब समुदायों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं थे कि वे स्मार्टफोन या इंटरनेट पैक खरीद कर ऑनलाइन शिक्षा से जुड़ सकें, और न ही उनके पास अपने बच्चों का मार्गदर्शन करने के लिए आवश्यक कौशल थे। भारत में, एक तिहाई शादियाँ क़ानूनी उम्र से कम में होती हैं , और कथित तौर पर कोविड स्तिथियों ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है | उदासीनता की अन्य कहानियाँ, सामाजिक संगठन के ग्राम समुदाय स्तर के हस्तक्षेपों से भी सुनी गयी हैं | घर के कामों का बोझ किशोरियों पर बढ़ गया , माता – पिता के बीच किशोरियों को विद्यालय भेजने की प्रेरणा कम हो गयी | और यही कारण है की किशोरियों के लिए

विशेष ट्यूशन कक्षाओं की योजना बनाई गयी | इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य था – विशेष रूप से किशोरियों को उनकी शिक्षा पूरी करने और कम उम्र में शादी को रोकने में सहायता करना |

- **ट्यूशन केंद्र** – 54 शिक्षकों, संसाधन शिक्षकों और सामुदायिक आयोजकों के सहयोग से 44 निःशुल्क ट्यूशन सेण्टर संचालित किये गए | प्रत्येक केंद्र में 25 से 45 बच्चियां शिक्षित हो रही थी | कुल 1500 बच्चियां लाभान्वित हुई | बच्चियों से कोई ट्यूशन फीस नही लिया गया | उन्होंने अपने आतंरिक परीक्षणों, स्कूल की मध्यावधि परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है और अपनी फाइनल परीक्षाओं में काफी अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है |

- **पोषण और स्वच्छता** – सेनेटरी पैड, साबुन और सैनीटाईजर के रूप में सहायता प्रदान की गई| जिससे की किशोरियों के बीच स्वच्छता को लेकर व्यवहार ने बदलाव आया क्योंकि उनमे से ज्यादातर किशोरियों ने दोबारा इस्तेमाल किये जा सकने वाले कपडे के नैपकिन का इस्तेमाल किया | उन्हें इसके उपयोग और मासिक धर्म के दौरान उचित स्वच्छता के महत्व के बारे में समझाया गया |

चिकित्सा जांच एवं स्वास्थ जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमे कुल किशोरियों का ब्लड ग्रुप , हीमोग्लोबिन, कैल्शियम , हाइट – वेट जांचा गया एवं आवश्यकता अनुसार डॉक्टर के सलाह से दवाइयां भी उपलब्ध करायी गईं | स्वास्थ जांच के दौरान यह निष्कर्ष निकला की अधिकतर किशोरियां एनीमिक थीं, और उन्हें अतिरिक्त पोषण आहार की आवश्यकता थी और उन्हें अपनी स्वास्थ आवश्यकताओं के सम्बन्ध में डॉक्टरों से बात करने का अवसर मिला | उन्हें स्थानीय सब्जियों और उपलब्ध खाद्य पदार्थों से पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी गई | किशोरियों ने मासिक धर्म और एनीमिया के जुडाव को समझा |

स्वास्थ जांच, स्वछता एवं पोषण
पखवारा
3 नवम्बर से 15 नवम्बर 2022

- **शैक्षिक प्रशिक्षक** – बच्चों की प्रगति की निगरानी, ट्यूशन केन्द्रों के कामकाज का प्रलेखन, विभिन्न हितधारकों के साथ बैठक, एवं सभी ट्यूटर के नियमित क्षमता निर्माण को व्यवस्थित करने में मदद की | जिसके कारण भाषा , गणित और विज्ञानं कौशल में काफी वृद्धि हुई है |

- **शिक्षण और सीखने की सामग्री** – नक़्शे, विज्ञान, चार्ट , पेन, कॉपी, किताब उपलब्ध कार्य गया | इनका उपयोग शिक्षकों द्वारा अपने सत्रों को रचनात्मक रूप से डिजाईन के लिए किया गया | बच्चियों को बैडमिंटन, फुटबॉल जैसी खेल सामग्री और छाता, पानी की बोतल जैसी आवश्यक वस्तुएं प्रदान की गयी |

कागज, स्केच और कलर पेन की उपलब्धता के कारण बच्चे लिखने और ड्राइंग का अधिक अभ्यास करने लगे | उनमे पढने की एक बढ़ी हुई रुचि विकसित हुई |

खेल कूद उनके दैनिक कार्यक्रम का नियमित हिस्सा बन गया, इससे उनकी भागीदारी बढ़ी |

- **बैठक (क्षमता निर्माण, निगरानी, मूल्यांकन)** – स्टेट काउन्सिल फॉर एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग से जुड़े राज्य स्तरीय शिक्षा प्रशिक्षक द्वारा सभी शिक्षकों का प्रशिक्षण हुआ | शिक्षकों के क्षमता निर्माण ने कार्यक्रम में शिक्षकों की रुचि को बढाया, क्यूंकि उन्होंने इसे अपने सीखने के हिस्से के रूप में लिया | हर माह के अंत में मासिक बैठक किया गया जिसमे उन्होंने छात्रों की प्रगति की निगरानी के लिए पाठ्य योजना बनाना और नियमित परिक्षण करने सीखा |

- **ICT उपकरण** – छात्राओं को उनके आधार कार्ड जैसे अन्य जरुरी प्रमाण पात्र बनवाने में सहायता प्रदान की गयी और विभिन्न परीक्षाओं एवं छात्रवृति के लिए फॉर्म भरने में ऑनलाइन सहयोग

किया गया जिससे बच्चियों का संगठन के साथ अच्छा संपर्क बना क्योंकि उनका फॉर्म भरने का खर्च बचता था इससे वे खुश थे| गणित एवं विज्ञान विषयों में विशेष सत्रों के साथ शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए रिसोर्स टीचर द्वारा ऑनलाइन शैक्षिक सामग्री का उपयोग किया गया | जिन बच्चियों की स्मार्ट फ़ोन तक पहुँच थी उनके निजी अध्यन के लिए ऑनलाइन शैक्षणिक सामग्री दी गयी |

- **डेज सेलिब्रेशन** – आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आदिवासी दिवस मनाया गया, जिसमे बच्चियों और अभिभावक दोनों ने भाग लिया | जिसमें मुख्य रूप से जीवन में संस्कृति और भाषा के महत्त्व और शिक्षण प्रणाली में इनके एकीकरण पर चर्चा हुई | संविधान दिवस सभी केन्द्रों में इस बात पर जोर देने के लिए मनाया गया की कैसे भारतीय संविधान सभी समुदायों के लिए जगह बनता है , और बच्चों के लिए मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है | इनके अलावा गाँधी जयंती, सुभाष चन्द्र बोस जयंती, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस , लोगों के बीच लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए पखवाडा जैसे कार्यक्रम किये गए |

3. प्रवासी मजदुर के साथ कार्य –

- **ग्राम स्तरीय बैठक – कुल बैठक – 16**

  कुल प्रतिभागी – 237

  विषय – सुरक्षित पलायन की जानकारी एवं सावधानियां , कल्याणकारी योजना की जानकारी

  प्रतिभागियों को बताया जाता है कि पलायन से पूर्व प्रज्ञा केंद्र में प्रवासी कर्मकार मजदुर (लाल कार्ड) के नाम से रजिस्ट्रेशन करना ताकि वह एक रजिस्टर्ड मजदुर की गिनती में आये, जाने से पहले अपने कुछ सम्बंधित व्यक्ति जैसे सेविका, मुखिया, थाना का संपर्क नंबर रखना, अपने साथ कार्यक्षेत्र ले जाने वाले यदि ठेकेदार या अन्य कोई व्यक्ति है तो उसका विस्तृत जानकारी स्वयं के साथ – साथ परिवार में देना, प्रेरणा भारती द्वारा चलाये जा रहे श्रमिक सुचना केंद्र में फोरम के द्वारा जानकारी पलायित व्यक्तियों को देना | रजिस्ट्रेशन करने से किसी तरह की दुर्घटना / मृत्यु में सरकारी मुआवजा या लाभ मिलने में आसानी होती है | पलायित व्यक्ति एवं परिवार के पास जरुरी दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड, वोटर कार्ड, ई श्रम कार्ड, प्रवासी कार्ड, फोटो, राशन कार्ड, इत्यदि की प्रति होनी चाहिए | अपने मालिक या ठेकेदार से काम के दौरान मिलने वाली सुविधा जैसे – पारिश्रमिक किस रूपमें मिलेगी? छुट्टी की अवधि क्या होगी ?कार्य का घंटा क्या होगा ? स्वास्थ सुविधा का

तरीका क्या होगा ? इत्यादि की जानकारी अवश्य लें ताकि किसी तरह की परेशानी होने पर प्रवासी कार्ड को माध्यम से जांच – पड़ताल किया जा सकता है | सरकारी योजना से मिलने वाली लाभ की जानकारी एवं उसमें जोड़ने का करी भी श्रमिक सूचन केंद्र द्वारा किया जाता है | वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, किशोरी समृद्धि योजना, विकलांग पेंशन, विद्यालय में किशोरी नामांकन, बाल-विवाह, महिला घरेलु हिंसा इत्यादि पर जानकारी के साथ – साथ सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाता है | मुद्रा लोन योजना के तहत स्वयं का बिजनेस करने हेतु लोन सम्बन्धी कार्य में भी मदद किया जाता है | ड्राप आउट बच्चों को विद्यालय से जोड़ना, शिक्षा का महत्त्व बताया जाता है | ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति में बाल मजदूरी, बाल विवाह, इत्यादि पर चर्चा किया जाता है | समिति द्वारा इन पर रोक लगाने का प्रयास किया जा रहा है | ताकि बच्चे पड़ने की उम्र में परिवार का बोझ उठाएं|

- **पंचायत स्तरीय मीटिंग – कुल बैठक – 2**

  प्रतिभागी – 79

  विषय – पंचायत स्तरीय विशेष ग्राम सभा भेडवा और गडिया में प्रस्ताव लिया गया कि " पलायनकर्ताओं का पंजीयन और डाटा संग्रहण शुनिश्चित किया जाए | सरकारी उदासीनता के कारण देवघर जिला में सही जानकरी न होने के कारण पंजीकरण नहीं हो पा रहा है | प्लायानकर्ता परिवार को सरकारी योजना का लाभ दिलाना |

- **ग्राम स्तरीय मीटिंग – कुल बैठक – 34**

  कुल प्रतिभागी – 435

  चर्चा का विषय – सुरक्षित पलायन और सावधानियां, सरकारी योजना से जुडाव, फोरम की संवेदनशीलता |

  ग्रामीणों के बीच सुरक्षित पलायन क्यों और किन सावधानियों को अपनाना है उस पर नियमित चर्चा की जाती है ताकि हर नए सदस्य तक पहुँच बने | जब भी कोई मजदुर पलायन करता है तो अपने जनप्रतिनिधि, आंगनवाडी सेविका , प्रेरणा भारती द्वारा चलाये जा रहे श्रमिक सुचना केंद्र में जानकारी देना ताकि किसी भी परिस्तिथि में मदद की सुविधा मिल पाए | वोटर कार्ड, आधार कार्ड, फोटो, ई – श्रम कार्ड, रजिस्टर्ड है तो उस कार्ड का एक प्रति करके स्वयं के साथ – साथ परिवार में देकर जाना है | माईग्रैंट फोरम के सदस्यों द्वारा अपने क्षेत्र में सरकारी योजना से जुडाव के लिए संस्था के साथ मिल कर नियमित जानकारी उपलब्ध करने के साथ लाभ लेने में भी मददद करती है | विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, कस्तूरबा विद्यालय में किशोरियों का नामांकन, ड्राप आउट

किशोरियों को विद्यालय से जोड़ना, विकलांग पेंशन की सुविधा दिलाई जाती है |फोरम द्वारा अन्य गाँव में सुरक्षित पलायन की जानकारी दी रही है | गाँव में ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति के साथ संपर्क किया जाता है ताकि गाँव मैं बाल विवाह , बाल श्रम, विकलांग पेंशन या अन्य और सरकारी योजना जिससे 18 वर्ष से निचे के बच्चे जुड़ सकें , कुरीतियों को खत्म करने की कोशिश की जा सके| क्षेत्र में श्रमिक मित्र हैं परन्तु विभागीय उदासीनता के कारण पलायन करने वालों का रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है | अभी मजदूरों में रजिस्ट्रेशन के प्रति जागरूकता बढ़ी है और वे रजिस्ट्रेशन हेतु तैयार हो रहे हैं|

- **ग्राम स्तरीय प्रशिक्षण – कुल प्रशिक्षण – 31**

  कुल प्रतिभागी – 570

  चर्चा का विषय – सुरक्षित पलायन के साथ सरकारी योजना से जुडाव, मुद्दों को सुरक्षित पलायन से जोड़ना, अपने अधिकारों को जानने का प्रयास करना |

  फोरम के सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण के माध्यम से सरकारी योजना जैसे सर्वजन पेंशन योजना, भवन निर्माण कार्ड के तहत छात्रवृति – मातृत्व लाभ, प्रधानमंत्री आवास योजना, ई-श्रम कार्ड इत्यादि का जानकारी लेकर ग्रामीणों को जोड़ना, पलायित परिवारों को विशेष ध्यान देना ताकि अभिभावक की अनुपस्तिथि में किसी योजना का लाभ लेना न छुट जाए | ड्राप आउट किशोरियों का शिक्षा से जुडाव होने के लिए उनको प्रशिक्षित करना | कम उम्र शादी के दुष्परिणामों को बताया जाना ताकि उनके ऊपर होने वाले पारिवारिक, शारीरिक, आर्थिक बोझ के दबाव में न पड़े और अपने जीवन का सही निर्णय ले सकें | फोरम के सदस्यों के साथ ग्रामीणों में भी अपने परिवार और किशोरियों को लेकर जागरूकता बनी है और परिवार में खुलकर जी सके इसके लिए माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है | कार्य क्षेत्र में महिला-किशोरी के साथ जो भेद-भाव होता है चाहे वो मजदूरी को लेकर हो, चाहे काम के घंटे को लेकर लगातार चर्चा होने से और उसे जेंडर से जोड़कर उनको समझाया जाता है | घरेलु हिंसा के बढ़ते अपराध को उनके सामने रखना जाता है | मुद्दा आधारित चर्चा को सुरक्षित पलायन के साथ जोड़कर बताने पर उनको आसानी से समझ आ जाता है और अब वे गंभीर एवं संवेदनशील बन रहे हैं ताकि हरेक व्यक्ति अपने बातों को रखने से न झिझकें |

- **पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण – कुल बैठक – 07**

  कुल प्रतिभागी – 366

चर्चा का विषय – सरकारी योजना से जुडाव, विशेष ग्राम सभा के माध्यम से मजदूरों का रजिस्ट्रेशन एवं डाटा एंट्री शुनिश्चित करना,श्रमिक सूचना केंद्रका प्रचार-प्रसार करना , स्टेक होल्डर्स के साथ समन्वय बनाना |

माईग्रैंट फोरम के माध्यम से पलायितों के परिवार , ग्रामीणों को सरकारी योजना से जुडाव की जानकारी और मदद की जाती है | [प्रवासी मजदूरों के आने-जाने पर फोरम द्वारा निगरानी राखी जाती है और जरुरत के समय मदद की जाती है | मजदूरों द्वारा श्रमिक सूचना केंद्र अपनी जरुरत के अनुसार नाम रजिस्ट्रेशन करते हैं इसमें सरकारी सुविधा का लाभ लेने हेतु, शिक्षा से जुडाव, लोन लेने हेतु, प्रवासी मजदूर जुड़ते हैं | सरकार आपके द्वार से भी सरकारी सुविधा या लाभ लेने हेतु लोगों को जोड़ा गया | विशेष ग्राम सभा में प्रस्ताव को स्वीकार किया गया कि पंचायत स्तर में प्रवासी मजदूरों का नियमित पंजीकरण और डाटा इकठ्ठा करने का कार्य प्रेरणा भारती संस्था के साथ मिलकर किया जाएगा |श्रमिक सूचना केंद्र से कार्य क्षेत्र में आकस्मिक दुर्घटना/मृत्यु का केसवर्क भी किया जाता है | किसी भी परिस्तिथि में अपंजीकृत व्यक्ति की मौत हो जाती है तो उसके जरुरी कागजातों जैसे पोस्टमॉर्टेम रिपोर्ट , आधार कार्ड, पारिवारिक सूची, मालिक के साथ हुई बात-चीत या उनका लिखित आवेदन श्रम न्यायलय में जमा किया जाता है | ताकि उनको मुआवजे के राशि मिल सके |अभी 4 केस है जिनका मुआवजा राशि मंजूर होने का इंतज़ार किया जा रहा है | कार्यक्षेत्र में ट्रैफिकिंग का मुद्दा है जिसमे एक सरवाइवर को रेस्क्यू करके लाया गया | रेस्क्यू हेतु श्रमिक सूचना केंद्र ने दिल्ली मैं पदस्थापित झारखण्ड रेस्क्यू ऑफिसर की मदद ली गई |

- **किशोरी बैठक – कुल बैठक – 40**

  कुल प्रतिभागी – 590

चर्चा का विषय – बाल विवाह, किशोरी के मानसिक, शारीरिक स्वास्थ और दबाव, जेंडर, सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी |

कम उम्र में शादी से लड़का या लड़की दोनों को ही शारीरिक और मानसिक परेशानी होती है | खेलने- पढने की उम्र में घर परिवार का बोझ उनके नाजुक कंधो पर दाल दिया जाता है जिससे वह समय से पहले ही बड़े हो जाते हैं | विशेष कर लड़कियों को हर माह मासिक चक्र से गुजरना पड़ता है जिसको घर – परिवार में विशेष ध्यान नही दिया जाता है | समय पर खान-पान न होना, परिवार द्वारा ध्यान न दिया जाना, "बीमार पड़ने के बाद में जाएँगे" कह कर ताल देना, घर – परिवार में खुल कर बात न रख पाना , जिससे किशोरी काफी दबी-

सहमी सी रहती है | गाँव-परिवार में बाल विवाहके कारण किशोर-किशोरियों के भावनाओं को अनसुना कर दिया जाता है | जरूरतें पूरी न होने पर पति-पत्नी में लड़ाई-झगडे बढ़ जाते हैं | किशोरियों में इन सब पर समझ बनी है और अपने समझ अनुसार एक दुसरे को समझाने का प्रयास कर रही है | बाल विअव्ह को रोकने हेतु पढाई पर ध्यान दे रही है | अपनी इच्छाओं को खुलकर परिवार के सामने व्यक्त कर पा रही हैं | किशोरियों को पलायन से सम्बंधित सुरक्षा जागरूकता की जा रही है | कोविड के दौरान दिखा की पलायित लोगों को कितनी परेशानी उठानी पड़ी | कितने लोग लापता हो गये| लोग उम्मीद लगाये बैठे थे की उनके परिवार के सदस्य एक न एक दिन लौट आयेंगे | इसलिए सरकार ने भी स्तिथि को देखते हुए रजिस्ट्रेशन का विकल्प निकला जिससे बाहर जाने वाले मजदूरों का डाटा सरकार के पास उपलब्ध रहे और जरुरत में मदद मिले | खुद को सुरक्षित रखने के लिए कार्य क्षेत्र के मालिक, ठेकेदार या सम्बंधित व्यक्ति, थाना इत्यादि का संपर्क नंबर स्वयं के साथ – साथ परिवार में होना आवश्यक है | किसी तरह की मार-पीट , कम मेहनताना, यौन शोषण, शारीरिक प्रताड़ना इत्यादि में कुछ चुने हुए व्यक्ति या थाना वगैरह से मदद ली जा सकती है | किशोरियां यदि अपनी पढाई को जारी रखे तो इन परेशानियों से बाख सकती है | कानून की जानकारी होगी तो सही-गलत का निर्णय लेने में सुविधा होगी |

- महिला बैठक – कुल बैठक – 40

  कुल प्रतिभागी – 550

चर्चा का विषय – बाल विवाह , महिला अधिकार, घरेलु या महिला हिंसा, दहेज़ प्रथा

महिलाओं के साथ बैठक में कई मुद्दों पर अलग-अलग चर्चा होती है | जो महिला या उसके परिवार से जुडी होती है | महिलाओं के बीच इन मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इस पर पहल करने हेतु प्रयास किया जा रहा है | महिला हिंसा या घरेलु हिंसा पर लगातार बातचीत होने के कारण अब महिलाओं को समझ में आने लगा है की घर के अन्दर होने वाले अत्याचार को बर्दाश्त करते रहने के कारण आज हिंसा का रूप बढ़ गया जिसमे महिलाओं को कई तरह से जुल्म का शिकार होना पड़ता है| इन सब को बर्दाश्त न कर पाने के कारण , उनको खुद के प्रति सोच न बदल पाने के कारण कुंठित हो जाती हैं | महिलाएं अब खुलकर अपने परिवार में चर्चा करने लगी है और कुछ महिलाओं को उनके परिवार का सपोर्ट भी मिल रहा है |उनके पुरुष भी इस बात को समझने लगे है और समस्याओं का समाधान आपसी बातचीत से भी होने लगा है| महिलाओं में एक आक्रोश है कि अबतक एकजुट होकर आवाज़ उठाने में पीछे क्यों रही? महिला अधिकार को लेकर वे अपने कार्य क्षेत्र के साथ-साथ परिवार

में भी बात रखने लगी है | उनको समझ आ चुका है कि वे 365 दिन अवैतनिक मजदूर है जबकि उसी जगह पुरुष को अपने काम के बदले मेहनताना मिलता है | वे अपने हक को पहचाने और उसपर अपनी पकड़ मजबूत करने का निर्णय लेने के लिए मिलजुल कर विरोध करने की क्षमता को विकसित कर रही हैं | अपने काम के घंटे, मजदूरी इत्यादि पर आवाज़ उठाने का प्रयास कर रही है | उनको बताया गया कि घर या बाहर हर जगह वे खुद को कमजोर समझती थी लेकिन अब उनके साथ लगातार बातचीत होने से क्ष्म्तावर्धन हुआ है | बाल विवाह, दहेज़ प्रथा पर महिलाओं ने अपनी तकलीफ रखी कि बेटी को दहेज़ देकर शादी करने बहुत ही कठिन है | इतना होने के बावजूद भी बेटी सुखी नही रहती है | ज़मीन तक बेचना पड़ता है | कम उम्र में शादी करने से कम दहेज़ लगता है | महिलाओं को महसूस कराया गया कि कम उम्र में लड़के-लडकियां शादी का बोझ उठाते हैं | खेलने-पढने की उम्र में परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए कहा जाता है | लड़कों पर काम करने का दबो बनाया जाता है जिससे वह पढाई छोड़कर बाहर चले जाते हैं और अपने सेहत का ध्यान नही रख पाने से समय से पहले बड़े हो जाते है | लडकियां भी खुद को नए माहौल में नहीं ढाल पति है | सही-गलत का निर्णय नही ले पाती हैं | परिवार के लोगों के अनुसार नही चल पाती हैं | अपने स्वास्थ में होने वाले उतार – चढ़ाव को बताने से डरती है और चुपचाप बिमारी को निमंत्रण देती हैं | कम उम्र में माँ बन जाती है जिससे उसकी जिम्मेवारी बढ़ जाती है | अपनी सेहत पर ध्यान नही दे पाती हैं | महिलाओं ने कहा कि वे अपने घर में पहले बात रखेंगी ताकि बिना किसी परेशानी के इस पर रोक लगाया जा सके | बाल-विवाह और दहेज़ प्रथा के कारण माता-पिता को अपनी ज़मीन तक बेचनी पड़ती है |

- प्रखंड + जिला कार्यशाला – कुल – 4

  कुल प्रतिभागी – 158

  चर्चा का विषय – माईग्रैंट फोरम की संवेदनशीलता बनाना, मजदूरों का साक्ष्य अनुरूप डाटा बेस तैयार करना |

  संस्था द्वारा स्टेक होल्डर्स , सरकारी पदाधिकारियों के बीच समन्वय बनाने पर पहल की जा रही है | फोरम के सदस्यों के माध्यम से सुरक्षित पलायन पर जागरूकता बने जा रही है | डाटा तैयार किया जा रहा है ताकि मजदूरों की तात्कालिक स्तिथि की जानकारी हो सके | मजदूर कब, कहाँ है इसकी जानकारी मिलने में आसानी होती है | माईग्रैंट फोरम गंभीरता पूर्वक अपनी निगरानी का कार्य कर रही है | गाँव की जानकारी बढाने में सरकारी पदाधिकारियों से मिलने की इच्छा बढ़ी है|

4.**प्रशिक्षण, बैठक एवं दिवसों का आयोजन -**

14 अप्रैल 2022 को बाबा साहेब आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर प्रेरणा भारती के द्वारा आंबेडकर जी की मूर्ति का अनावरण मुख्य अतिथि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी द्वारा किया गया |

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने किया बाबा साहब की प्रतिमा का अनावरण

प्रभात मंत्र संवाददाता

मधुपुर : बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 131वीं जयंती के अवसर पर स्थानीय स्वयंसेवी संस्था प्रेरणा भारती द्वारा कार्यालय परिसर,पथर चपटी में भारत रत्न,भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिनोद रवानी ने विशिष्ट अतिथि अंचल पुलिस निरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह, थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर इंचार्ज रामदयाल मुंडा, अधिवक्ता धनंजय प्रसाद,खेल प्रेमी विद्रोह मित्रा,रेड क्रॉस के प्रतिनिधि मलय बोस व संस्था सचिव श्रीमती अंजनी की गरिमामय उपस्थिति में बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण किया। तदोपरांत संस्था सभागार आसरा में संस्था की बच्चियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। जिसका शुभारंभ आदिति, काजल व सीमा द्वारा गाए स्वागत गीत से किया गया। इसके बाद प्रिया मुर्मू व गुड़िया कुमारी ने बाबा साहब की जीवनी पर प्रकाश डाला। पट्टाजोरी की पूजा कुमारी व अनोखी कुमारी ने बाबा साहब की जीवनी को रेखांकित करते हुए लोक गीतों की प्रस्तुति की। संथाली डांस ग्रुप पथर चपटी ने सोहराय के ऊपर ग्रुप डांस,प्रीति तथा प्रिया ने फिर भी दिल है हिंदुस्तानी रिया,प्रिया,सरिता, रेणु व फूल कुमारी ने ओरी चिड़िया रिकॉर्डिंग डांस तथा प्रिया, सादिया, सुचिता, किरण एवं प्रीति ने आओ हम हाथ मिलाएं गीत की प्रस्तुति कर उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर संस्था के सिमोती मुर्मू, रिंबिका मुर्मू, सुरेश कुमार वर्मा, किरण कुमारी, संतोष, नवीन, मुनमुन, अंजना, सेविका बसंती, संगीता, नादिरा, प्रवीण सहित दर्जनों महिलाएं व किशोरियां उपस्थित थीं।

14 जुलाई 2022 को हूल दिवस मनाया गया |

9 अगस्त 2022 को विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया | इस अवसर पर यह चर्चा की गई की आदिवासी दिवस क्यों मनाया जाता है ? **विश्व आदिवासी दिवस** आदिवासी आबादी के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को विश्व के आदिवासी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। यह घटना उन उपलब्धियों और योगदानों को भी सम्मानित करती है जो आदिवासी लोग पर्यावरण संरक्षण जैसे विश्व के मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। यह पहली बार **संयुक्त राष्ट्र महासभा** द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था, 1982 में मानव अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह की मूलनिवासी आबादी पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह की पहली बैठक का दिन। खासकर, इसे **भारत के आदिवासियों** द्वारा धूम धाम से मनाया जाता है, जिसमें रास्तों पर रैली निकाली और मंच में झामाझम कार्यक्रम मनाया जाता है। संस्था के परिसर एवं सभी कोचिंग सेण्टर में आदिवासी दिवस के मौके पर किशोरियों ने विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां की |

15 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया |

25 एवं 26 नवम्बर 2022 को SRHR मुद्दे पर मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया |

सामाजिक समरसता दिवस – **दिनांक 7.12.22** को प्रेरणा भारती द्वारा बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वान व बाबरी मस्जिद विध्वंस दिवस को सामाजिक समानता सह सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया | जिसमे यह बताया गया की हम इंसानों के बीच हर तरह के भेद भाव और असमानता मुक्त समाज का निर्माण करें |

महिला हिंसा पखवाडा – 25 नवम्बर 2022 से 10 दिसम्बर 2022

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा विरोधी पखवाडा के तहत 16 दिवसीय कार्यक्रमों में **7 दिसम्बर 2022** को नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया | नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किशोरियों ने समाज में दहेज़ व महिला हिंसा

जैसी कुरीतियों पर प्रहार करते हुए लिंग आधारित भेद – भाव या शारीरिक, मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना को कानून की नजरो में अपराध बताते हुए इनके खिलाफ सामाजिक जागरूकता फ़ैलाने की कोशिश की |

महिला हिंसा विरोधी पखवाडा के तहत **29 नवम्बर 22** को उत्क्रमित उच्च विद्यालय पन्दनिया में किशोर एवं किशोरियों के साथ विचार – गोष्टी का आयोजन किया गया | जिसमे उन्हें यह बताया गया की महिला और पुरुष दोनों ही समाज के अभिन्न अंग हैं | लेकिन समाज में लिंग आधारित भेद भाव के कारण महिलाओं के साथ दुसरे दर्जे का व्यवहार किया जाता है जो की कानून की नजर में अपराध है क्योंकि संविधान में महिला और पुरुष को बराबरी का दर्जा दिया गया है |

24 जनवरी 2023 – अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया |

किशोरी मिलन समारोह

किशोरी मिलन समारोह

26 जनवरी 2023 – गणतंत्र दिवस मनाया गया |

8 मार्च 2023 – अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया |

I hereby certify that this document is the annual report for 2022-23 of Organization- Prerana Bharati.